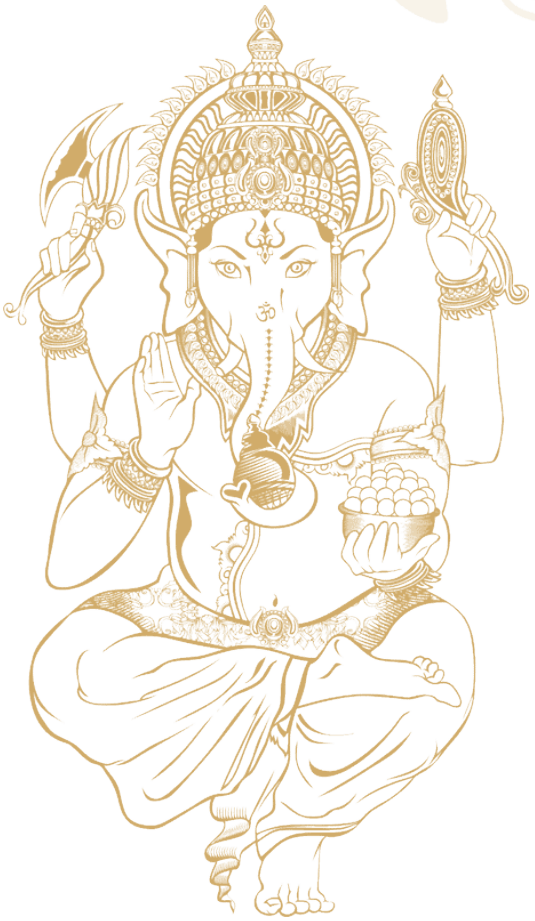

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/07/2002	जन्म तिथि	14/12/2000
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 18:55:00	जन्म समय	15:00:00 घंटे
घटी 33:17:20	जन्म समय(घटी)	19:38:57 घटी
India	देश	India
Gangoh	स्थान	Saharanpur
29:46:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:15:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:00	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:36:04	सूर्योदय	07:07:40
19:18:29	सूर्यास्त	17:21:34
23:53:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:57

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 0वर्ष 9मा 0दि	03:07:40	मक	लग्न	मेष	21:52:32	शनि 8वर्ष 6मा 17दि
राहु	08:32:41	कर्क	सूर्य	वृश्चि	28:50:04	बुध
25/04/2010	22:19:53	मक	चंद्र	कर्क	10:40:04	02/07/2009
25/04/2028	13:45:20	कर्क	मंगल	तुला	00:39:06	03/07/2026
राहु 06/01/2013	13:38:35	कर्क	बुध	वृश्चि	22:29:48	बुध 29/11/2011
गुरु 01/06/2015	04:31:08	कर्क	गुरु व	वृष	10:08:25	केतु 25/11/2012
शनि 07/04/2018	22:24:55	सिंह	शुक्र	मक	13:08:51	शुक्र 26/09/2015
बुध 25/10/2020	00:16:31	मिथु	शनि व	वृष	01:42:51	सूर्य 02/08/2016
केतु 12/11/2021	23:07:56	वृष व	राहु	मिथु	21:44:48	चन्द्र 01/01/2018
शुक्र 12/11/2024	23:07:56	वृश्चि व	केतु	धनु	21:44:48	मंगल 29/12/2018
सूर्य 07/10/2025	03:56:20	कुंभ व	हर्ष	मक	24:00:45	राहु 18/07/2021
चन्द्र 07/04/2027	15:53:51	मक व	नेप	मक	10:53:02	गुरु 23/10/2023
मंगल 25/04/2028	21:16:25	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:14:56	शनि 03/07/2026

लग्न-चलित

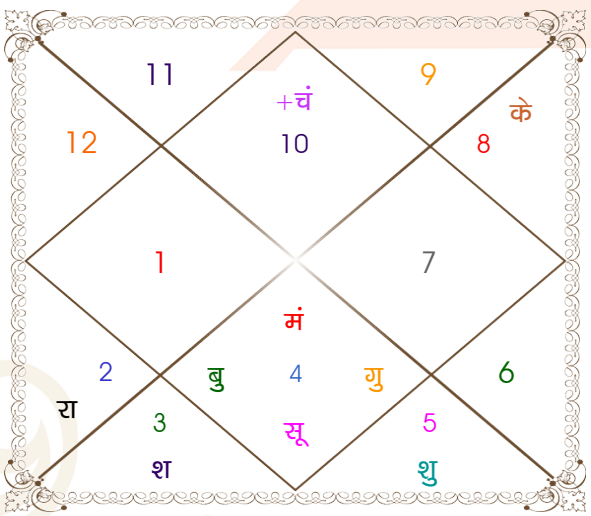

लग्न-चलित

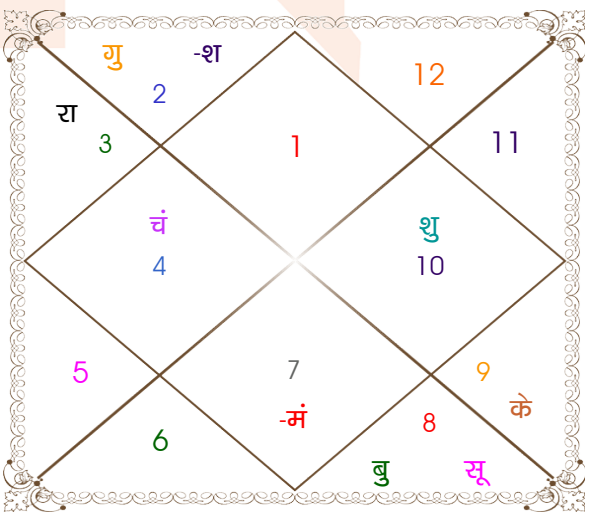

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।